Ganesh aarti pdf

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा

एकदन्त दयावन्त चार भुझा धारी
माथे सिन्दूर सोहे मूश की सवारी
पान चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा
लड्डूवन का भोग लगे संत करे सेवा

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा

अंधन को आँख देत कोढ़िन को काया
बांझन को पुत्र देत निर्धन को माया
सूर स्याम सरन आये सफल कीजे सेवा

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा

दिनन की लाज रखो सुम्भ सतुकरि
कामना को पूर्ण करो जय बलिहारी

Visit: Allpdf.in